संख्या-204/2016/810/22-2-2016-17(206)/2016

प्रेषक,

सत्येन्द्र कुमार सिंह,

विशेष सचिव

उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,

कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,

उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ : दिनांक 17 अक्टूबर, 2016***

विषय:- जिला कारागार, बहराइच में निरूद्ध बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी जनपद-बहराइच की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3284/पर-7/(एम-20-01-2016) दिनांक-03-02-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, बहराइच में निरूद्ध बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी सा0-कस्बा महसी, थाना-हरदी जनपद-बहराइच का रहने वाला है। बन्दी ने दिनांक 14-12-2009 को रात्रि लगभग करीब 10:00 बजे कम्प्यूटर पर नकली नोट कूटरचना करके छाप रहा था। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-75/2010 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-420, 467, 468, 471, 489 (घ) के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, न्यायालय कक्ष संख्या-।, बहराइच द्वारा दिनांक 30-04-2013 को ।0 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 08.09.2015 तक 05 वर्ष 08 माह 24 दिन की अपरिहार तथा 06 वर्ष 04 माह 14 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। बन्दी का कोई सहअभियुक्त नहीं है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी को कारागार में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने एवं परिवार की सामाजिक/आर्थिक दशा रिहाई हेतु उपयुक्त न होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, बहराइच ने जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड द्वारा बन्दी ने दिनांक 14-12-2009 को रात्रि लगभग करीब 10:00 बजे कम्प्यूटर पर नकली नोट कूटरचना करके छाप रहा था। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी जनपद-बहराइच को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- उपरोक्त् वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी (बन्दी संख्या-496/13) पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी जनपद-बहराइच के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-204/2016/810(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, बहराइच।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, बहराइच।

3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्या-204/2016/810/22-2-2016-17(206)/2016

दिनांक 17 अक्टूबर, 2016 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

जिला कारागार, बहराइच में निरूद्ध बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी सा0-कस्बा महसी, थाना-हरदी जनपद-बहराइच का रहने वाला है। बन्दी ने दिनांक 14-12-2009 को रात्रि लगभग करीब 10:00 बजे कम्प्यूटर पर नकली नोट कूटरचना करके छाप रहा था। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-75/2010 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-420, 467, 468, 471, 489 (घ) के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, न्यायालय कक्ष संख्या-I, बहराइच द्वारा दिनांक 30-04-2013 को 10 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 08.09.2015 तक 05 वर्ष 08 माह 24 दिन की अपरिहार तथा 06 वर्ष 04 माह 14 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। बन्दी का कोई सहअभियुक्त नहीं है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी को कारागार में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने एवं परिवार की सामाजिक/आर्थिक दशा रिहाई हेतु उपयुक्त न होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, बहराइच ने जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड द्वारा बन्दी ने दिनांक 14-12-2009 को रात्रि लगभग करीब 10:00 बजे कम्प्यूटर पर नकली नोट कूटरचना करके छाप रहा था। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी मो0 लतीफ सिद्दीकी पुत्र श्री अहमद अली सिद्दीकी, निवासी जनपद-बहराइच को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सत्येन्द कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।